डा० गिरजा उराँव
एसोसिएट प्रो०
R. M. C. सासाराम

B. A. Part II Hons
Session-2019-20
Subject - PSY Paper III Group A

4. परिकल्पनायें (Hypotheses) :- शोध की इस अवस्था में परिकल्पना का अर्थ वह अनुमानित कथन है, जिसका निर्माण शोधकर्ता वास्तविक शोध के पहले ही करता है। इस अनुमानित कथन में शोध के परिणामों के संबंध में भविष्यवाणी की जाती है। वास्तविक शोध के बाद जो परिणाम प्राप्त होते हैं उनके आधार पर यह भविष्यवाणी सही भी हो सकती है और गलत भी। परिकल्पनाओं का निर्माण करते समय शोधकर्ता कई बातों पर ध्यान देता है। परिकल्पनाओं का निर्माण कई स्रोतों के आधार पर किया जाता है। व्यक्तिगत अनुभव, पुस्तक, पत्रिकायें, शोध-सार आदि महत्वपूर्ण हैं।

5. अध्ययन-विधि (method of study) :- इस अवस्था में निम्नलिखित तीन बातों का उल्लेख है :--
(A) प्रतिदर्श (B) अध्ययन-अभिकल्प (C) उपकरण तथा परीक्षण (D) सांख्यिकीय विधि अनुसंधान की इस पाँचवी अवस्था में आवश्यकता के अनुसार व्यवहार में लाया जाता है। इनमें बारंबारता बहुभुज, आयत-चित्र दण्ड आरेख, संचयी बारंबारता वक्र आदि मुख्य हैं।

6. पायलट अध्ययन (Pilot study) - वृहत रूप से अध्ययन करने के पहले शोधकर्ता छोटे पैमाने पर एक अध्ययन करता है, जिसको प्रारंभिक अध्ययन अथवा पायलट अध्ययन कहा जाता है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह है कि जो अध्ययन शोधकर्ता करने जा रहा है, वह वस्तुतः व्यवहार्य है या नहीं। यदि वह व्यवहार्य होता है तो उसे वृहतरूप से किया जाता है और यदि व्यवहार्य नहीं होता है तो छोड़ दिया जाता है।

7. परीक्षण संचालन और प्रदत्त संग्रह किया (administration and data collection) :- शोध की यह अवस्था काफी महत्वपूर्ण है। इस अवस्था में काफी सावधानी की आवश्यकता पड़ती है। इस अवस्था में वास्तविक शोध शुरू किया जाता है। निर्धारित समय तथा स्थान के अनुसार शोधकर्ता प्रयोज्यों के पास जाता है और उनपर अपेक्षित परीक्षणों का संचालन करता है

8. परिणाम एवं विवेचना (Results and discussion)
शोध की इस अवस्था परिणामों की विवेचना की जाती है। इस बात की व्याख्या की जाती है कि इस चर के संबंध में जो परिकल्पना बनायी गयी थी वह सही प्रमाणित या गलत। सही या गलत प्रमाणित होने के कारणों की व्याख्या पहले किये गये शोधों के परिणाम के आलोक में की जाती है।

9. वैज्ञानिक सामान्यीकरण (Scientific generalization):- शोध या अनुसंधान की इस अवस्था में प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण किया जाता है। दूसरे शब्दों में जो परिणाम थोड़े से लोगों के संबंध में प्राप्त होता है उसे सभी लोगों पर लागू किया जाता है।

10 शोध की रिपोर्ट तैयार करना preparing the research report):- शोध या अनुसंधान की यह अंतिम अवस्था है। इस अवस्था में शोध कर्ता अपने शोधकार्य के विभिन्न अवस्थाओं से प्राप्त परिणामों के संबंध में एक प्रतिवेदन या रिपोर्ट तैयार किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य सभी जागरूक एवं उत्सुक लोगों को अनुसंधान या शोध के परिणामों से अवगत करना है।

Scanned with CamScanner